विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम, लखीसराय

(एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित)

कक्षा- पंचम् **तिथि- 15.09.2021**

विषय-_संस्कृत व्याकरण **सुमिता कुमारी**

|

संस्कृत व्याकरण

अशुद्धि संशोधन

वाक्य का निर्माण कर्ता, क्रिया, वचन, लिंग ,पुरुष विशेषण- विशेष्य आदि के आधार पर होता है । इनका अनुचित प्रयोग वाक्य को शुद्ध कर देता है ।संस्कृत भाषा में वाक्य अनेक दृश्टियों से अशुद्ध हो जाते हैं। उनमें कुछ निम्नलिखित हैं-

1. **कर्ता-क्रिया सम्बन्धी अशुद्धि**– क्रिया का प्रयोग कर्ता के पुरुष एवं वचन के अनुसार ही करना चाहिए। 'सः पठसि'। 'सः' के साथ कभी भी 'पठसि' का प्रयोग नहीं होता। 'सः' प्रथम पुरुष एकवचन का कर्ता है। अतः यहाँ पर 'सः पठति।' ही ठीक प्रयोग होगा।
2. **वचन सम्बन्धी अशुद्धि**– 'सः लिखन्ति' यहाँ कर्ता एकवचन और क्रिया बहुवचन में है। कर्ता-क्रिया का वचन हमेशा समान होता है। अतः 'सः लिखति' ही सही प्रयोग होगा।
3. **विशेषण-विशेष्य सम्बन्धी अशुद्धि**–विशेषण का लिंग, वचन एवं विभक्ति विशेष्य के अनुसार प्रयोग होते हैं। जैसे–कृष्णः सर्पः गच्छति। यहाँ पर 'सर्पः' विशेष्य के अनुसार ही 'कृष्णः' का प्रयोग शुद्ध होगा।
4. **कारक-विभक्ति सम्बन्धी अशुद्धि**–शब्दों के शब्द रूप लिखते समय कारक के चिह्नों के आधार पर विभक्ति का प्रयोग होता है। जैसे–फल पेड़ से गिरता है। यहाँ 'पेड़ से' में अलग होने का भाव है अतः अपादान कारक (पंचमी) विभक्ति का प्रयोग होगा। फलम् वृक्षात् पतति।
5. **संज्ञा-सर्वनाम सम्बन्धी अशुद्धि**–संज्ञा शब्दों के साथ सर्वनाम का प्रयोग संज्ञा के लिंग, वचन, पुरुष एवं विभक्ति के अनुसार ही करते हैं। जैसे–तौ बालकौ।
6. **संख्यावाची शब्द सम्बन्धी अशुद्धि**–संख्यावाची शब्द विशेषण का काम करते हैं अतः इनकी विभक्ति, वचन एवं लिंग संज्ञा शब्दों के अनुसार ही होते हैं। जैसे–त्रयः बालकाः, तिस्रः कन्याः, त्रीणि कारयानानि फलानि।

अभ्यास

1. रेखाङ्कितक्रियापदानि शुद्धानि कुरुत–
रेखांकित क्रिया पदों को शुद्ध कीजिए–

(i) ते पठति। .....

(ii) वयं खेलावः। .....

(iii) यूयं लिखथः। .....

(iv) त्वं गच्छतः। .....

(v) अहं स्मरति। .....

(vi) ताः लिखति। .....

(vii) आवां भ्रमथः। .....

(viii) तौ पिबथः। .....

(ix) सः खादसि। .....

(x) वृक्षे फलानि स्तः। .....

2. रेखाङ्कितविशेषणपदानि विशेषानुसारं शुद्धानि कुरुत–

रेखांकित विशेषण पदों को विशेष्यों के अनुसार शुद्ध कीजिए–

(i) सः बालिका। .....

(ii) तौ बाले। .....

(iii) ताः बालिकाः। .....

(iv) एषः पुस्तकम्। .....

(v) ते बाले। .....

(vi) सा बालकाः। .....